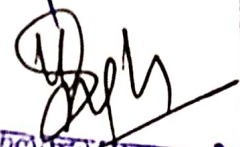


9/4
20

पत्रावली पेवा । शायी व वही व संपी
 हो बार-बार आवाज लगती गई ।
 बार-बार आवाज लगाने पर भी
 वही व शायी व शायी वगैरे
 नहीं आये । अतः पत्रावली को
 आकर्मणी / अज्ञ धर्म में ब्राह्मण
 दिन गाना है पत्रावली केवल
 शुभारंभ के नमस्कार से कम
 वे, अखिल पत्रावली



सहायक कलेक्टर (फास्ट ट्रेक)
 दौतासगढ़ (सीकर)